(घ) क्या 1983, 1984 और 1985 में पंजीकृत व्यक्तियों को घरेलू गैस के कनेक्शन देने को सुनिश्चित करने के लिये कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है और यदि हां, तो उन्हें कब तक घरेलू-गैस के कनेक्शन दे दिये जाने की संभावना है ; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री ब्रह्म दत्त) : (क) जी, हां ।

(ख) जी, हां ।

(ग) नए एल० पी० जी० कनेक्शनों का जारी करना एल० पी० जी० की उपलब्धता और बाटलिंग क्षमता के अतिरिक्त उस क्षेत्र में वितरणशिप के नेट-वर्क की उपलब्धता पर भी निर्भर करता है । दिल्ली के पूर्वी भागों में नई वितरणशिपों को चालू करने में देरी के कारण ही इस क्षेत्र में नए कनेक्शन जारी करने का काम पिछड़ गया ।

(घ) पूर्वी दिल्ली में अनेक नई वितरणशिपें खोलने की तेल उद्योग की योजना है । इन वितरणशिपों के खुल जाने पर इस क्षेत्र में नए कनेक्शन दिए जाएंगे ।

(ङ) उपर्युक्त (घ) को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता ।

Blow-out in Kadi well

1604. SHRI RAOOF VALIULLAH: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a Committee was constituted by the ONGC which came to the conclusion that human negligence was responsible for the Kadi well blow-out in Gujarat;

(b) what action has been taken against the officials responsible for this; and

(c) whether the finding of the Comimittee is at variance with the explanation given by the Ministry earlier for this incident?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI BRAHM DUTT): (a) The Enquiry Committee, while indicating that the major cause of the blow-out was high pressure and premature failure of blow-out preventors, observed that the quality of the professional inputs of some officers was not upto the desired level. The report of the Enquiry Committee was examined by a Higher-level Committee of four functional Members of ONGC which did not agree with the Enquiry Committee's observation regarding the quality of professional input of some officers. The recommendations of the Higher-level Committee were considered and endorsed by the Commission.

(b) Does not arise in view of above.

(c) No, Sir.

भारतीय औद्योगिक वित्त निगम द्वारा रुग्ण एककों का अध्ययन

1605. **श्री रशीद मसूद :**
श्रीमती रेणुका चौधरी :
श्री अजीत सिंह :
क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हाल ही में भारतीय औद्योगिक वित्त निगम द्वारा औद्योगिक एककों की रुग्णता के संबंध में एक अध्ययन किया गया था ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार को उस अध्ययन के निष्कर्ष प्राप्त हो गए हैं; और

(ग) यदि हां, तो इस प्रतिवेदन का ब्यौरा क्या है और उस पर सरकार की प्रतिक्रिया क्या है ?

उद्योग मंत्रालय में औद्योगिक विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम) : (क) जी, नहीं ।

(ख) और (ग) प्रश्न ही नहीं उठते ।